Roll No. .....

E–953

B. Ed. (Fourth Semester) (ATKT) EXAMINATION, May-June, 2021

Paper Eleventh

LANGUAGE PROFICIENCY—HINDI

Time : $1\frac{1}{2}$ *Hours*] [*Maximum Marks : 50*

नोट : सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : प्रत्येक 5

   (अ) भाषा को परिभाषित करते हुए उसकी विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

   (ब) मातृभाषा की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए उसकी महत्ता पर विस्तार से चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में दीजिए : प्रत्येक 3

   (अ) भाषा रूपान्तरण को स्पष्ट करते हुए उसके नियमों पर प्रकाश डालिए।

(ब) सारलेखन की परिभाषा बताते हुए, सारलेखन में शीर्षक के महत्व को प्रतिपादित कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए सारांश लिखिए :

गुरु से ज्ञान प्राप्त करने के केवल तीन उपाय हैं—नम्रता, जिज्ञासा और सेवा। इनमें नम्रता का स्थान प्रथम है। अतः एक आदर्श विद्यार्थी को विनम्र होना चाहिए। नम्रता के साथ-साथ उसे अनुशासनप्रिय भी होना चाहिए। जो विद्यार्थी अनुशासनहीन होते हैं, वे अपने देश, अपनी जाति, अपने माता-पिता, अपने गुरुजन और अपने महाविद्यालय के लिए अप्रतिष्ठाकारक होते हैं। अनुशासनहीन छात्र का न तो मानसिक विकास होता है और न बौद्धिक ही। वह उन गुणों से सदा-सदा के लिए वंचित हो जाता है जो मनुष्य को प्रतिष्ठा के पद पर आसीन करते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में अनुशासन का विशेष महत्व है। अनुशासित छात्र ही आदर्श विद्यार्थी की श्रेणी में आ सकता है। आज के युग का छात्र अनुशासनहीनता दिखाने में अपना गौरव समझता है। इसलिए देश में सभ्य नागरिकों का अभाव सा होता चला जा रहा है, क्योंकि आज का विद्यार्थी ही कल का नागरिक बनता है।

(स) पत्र लेखन के प्रकार एवं महत्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

अपने महाविद्यालय के प्राचार्य को शुल्क माफ कराने हेतु आवेदन पत्र लिखिए।

(द) प्रस्तुत अपठित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

साहित्य का आधार जीवन है। इसी नींव पर साहित्य की दीवार खड़ी है। उस पर अटारियाँ, मीनार, गुम्बद बनते हैं, लेकिन बुनियादें मिट्टी के नीचे दबी पड़ी हैं। जीवन परमात्मा की सृष्टि है। इसलिए सुबोध, सुगम और मर्यादाओं से परिमित है। जीवन परमात्मा को अपने कार्यों का जवाबदेह है या नहीं, हमें नहीं मालूम, लेकिन साहित्य तो मनुष्य के सामने जवाबदेह है। इसके लिए कानून है, जिनसे इधर-उधर वह नहीं जा सकता। जीवन का उद्देश्य ही आनंद है, मनुष्य जीवन-पर्यन्त् आनंद की खोज में रहता है। किसी को वह रत्न द्रव्य में मिलता है, किसी को भरे-पूरे परिवार में, किसी को लम्बे-चौड़े भवन में और किसी को ऐश्वर्य में, लेकिन साहित्य का आनंद इस आनंद से ऊँचा है। उसका आधार सुन्दर और सत्य है।

वास्तव में सच्चा आनंद सुन्दर और सत्य से ही मिलता है। उसी आनंद को दर्शाना, वही आनंद उत्पन्न करना, साहित्य का उद्देश्य है। ऐश्वर्य या भोग आनंद में ग्लानि छिपी होती है, पश्चाताप भी होता है, परन्तु सुन्दर से जो आनंद प्राप्त हो वह अखण्ड है, अमर है।

(i) उक्त गद्यांश का सटीक शीर्षक दीजिए।

(ii) उक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

(iii) उक्त गद्यांश के माध्यम से साहित्य का महत्व बताइए।

(य) प्रतिवेदन की विशेषताएँ बताते हुए उसे लिखते समय किन-किन बिन्दुओं को ध्यान रखना चाहिए ? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अपने महाविद्यालय में आयोजित 'स्वच्छता अभियान रैली' पर एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए।

3. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5

(i) संज्ञा की परिभाषा दीजिए।

(ii) जातिवाचक संज्ञा का एक उदाहरण दीजिए।

(iii) व्यक्तिवाचक संज्ञा का एक उदाहरण दीजिए।

(iv) वह क्या चाहता है ? में कौन-सा सर्वनाम् है ?

(v) मुझे आप से कुछ चाहिए। में कौन-सा सर्वनाम् है ?

(ब) निम्नलिखित समासों के विग्रह कर प्रकार बताइये : 5

(i) पंचमुखी

(ii) पदयात्रा

(iii) पुरुषोत्तम

(iv) पथभ्रष्ट

(v) पाप-पुण्य

(स) नीचे दिये गये शब्दों से वाक्यरचना कीजिए : 5

(i) कृपा

(ii) सुबह

(iii) आराम

(iv) परिपाटी

(v) प्रतिदिन

(द) निम्नलिखित मुहावरों एवं लोकोक्तियों का अर्थ बताते हुए वाक्य बनाइये : 5

(i) आकाशकुसुम

(ii) गंगा नहाना

(iii) डंका बजाना

(iv) अधजल गगरी छलकत जाए

(v) ऊँची दुकान फीका पकवान

(य) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए : 5

(i) इन्द्र

(ii) झण्डा

(iii) प्रणय

(iv) जनक

(v) समुदाय